No. of Printed Pages : 6

ES-333

BACHELOR OF EDUCATION (B. Ed.)

Term-End Examination

December, 2021

ES-333 : EDUCATIONAL EVALUATION

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : (*i*) *All questions are compulsory.*

(*ii*) *All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

   What do you understand by CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation) ? Discuss in detail.

   Or

   Discuss in detail the role of evaluation in the teaching-learning process.

2. Answer the following question in about **600** words :

   What is validity ? What are the different types of validity ? Discuss any *two* types in detail.

   Or

   Discuss in detail the meaning and importance of educational diagnosis.

3. Write short notes on any ***four*** of the following in about **150** words each :

   (a) Need and importance of statistics in evaluation

   (b) Meaning and importance of the measures of dispersion in statistics

   (c) Defects of a traditional question paper

   (d) Instructional purposes of testing

(e) Difference between formative and summative evaluation

(f) Relationship between educational goals and instructional objectives

4. Answer the following question in about **600** words :

What do you understand by 'BluePrint' of a question paper ? Prepare a blueprint in your subject for the class you teach.

ES-333

शिक्षा में स्नातक (बी. एड.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

ई.एस.-333 : शैक्षिक मल्यांकन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : (*i*) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

सतत एवं व्यापक मल्यांकन से आप क्या समझते हैं ? विस्तत वर्णन कीजिए।

अथवा

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में मल्यांकन की भमिका का विस्तत वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

वैधता क्या है ? वैधता के विविध प्रकार क्या हैं ? किन्हीं **दो** का विस्तत वर्णन कीजिए।

अथवा

शैक्षणिक निदान के अर्थ एवं महत्व की विस्तार से चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में हो :

(अ) मल्यांकन में सांख्यिकी की आवश्यकता एवं महत्व

(ब) सांख्यिकी में विचारशीलता के मापकों का अर्थ एवं महत्व

(स) परम्परागत प्रश्नपत्र की कमियाँ

(द) परीक्षण का अनदेशात्मक उददेश्य

(य) रचनात्मक एवं योगात्मक मल्यांकन में अन्तर

(र) शैक्षिक लक्ष्यों एवं अनदेशात्मक उददेश्यों में सम्बन्ध

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

एक प्रश्नपत्र की रूपरेखा (Blueprint) से आप क्या समझते हैं ? आप जिस कक्षा को पढाते हैं, उसके किसी विषय पर एक रूपरेखा निर्मित कीजिए।